पीएम मोदी का नया वीडियो 7 अगस्त को देशवासियों से की ये बड़ी अपील!

विषय सूची (Table of Contents):

>> प्रस्तावना...
>> पीएम मोदी का नया इंस्टाग्राम वीडियो 7 अगस्त को हैंडलूम डे मनाने की विशेष अपील...
>> डिजिटल माध्यम से दिया प्रेरणादायक संदेश...
>> 7 अगस्त का ऐतिहासिक महत्व स्वदेशी आंदोलन और राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का कनेक्शन...
>> 1905 का ऐतिहासिक स्वदेशी आंदोलन...
>> विकसित भारत का लक्ष्य छोटे बुनकर परिवारों की आर्थिक मजबूती पर पीएम का जोर...
>> बुनकरों की मेहनत को पहचान और बाजार देना आवश्यक...
>> अभियान से कैसे जुड़ें? सोशल मीडिया पर रील और फोटो शेयर करने का आग्रह...
>> हैंडलूम पहनकर तस्वीरें और वीडियो करें साझा...
>> हर नागरिक बने ब्रांड एंबेसडर फ्रेंडशिप डे की तरह ही हथकरघा दिवस मनाने की सलाह...
>> जन-भागीदारी से बनेगा जन-आंदोलन...
>> आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की भावना भारतीय हस्तकरघा उत्पादों को अपनाने पर जोर...
>> 2026 में स्वदेशी उत्पादों की मांग और नवीनतम अपडेट...
>> पीएम मोदी का देशवासियों को अंतिम संदेश आपका एक छोटा प्रयास लाएगा बड़ा बदलाव...
>> स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल देने का अवसर...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

प्रस्तावना

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day) भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक कौशल का प्रतीक है। हर साल 7 अगस्त को मनाए जाने वाले इस दिवस के अवसर पर देश में स्वदेशी वस्त्रों और हथकरघा बुनकरों को विशेष सम्मान दिया जाता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक विशेष संदेश साझा किया है।

प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक नया वीडियो जारी कर सभी देशवासियों से 7 अगस्त को राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारतीय हस्तकरघा न केवल हमारी परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह लाखों ग्रामीण और गरीब बुनकर परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार भी है।

पीएम मोदी का नया इंस्टाग्राम वीडियो: 7 अगस्त को हैंडलूम डे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नए इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए देशवासियों को एक नई प्रेरणा दी है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे इस बार 7 अगस्त को हथकरघा उत्पादों का उपयोग करें और स्थानीय कारीगरों को समर्थन दें।

डिजिटल माध्यम से दिया प्रेरणादायक संदेश

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में पीएम मोदी ने भारत के पारंपरिक कपड़े, करघे और ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले बुनकरों की झलक दिखाई है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक छोटा सा निर्णय देश के हथकरघा उद्योग में क्रांति ला सकता है।

अगर आप देश और खेल जगत से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण अपडेट्स देखना चाहते हैं, तोभारत ने पाकिस्तान को रौंदा!से जुड़ी ताजा जानकारी भी पढ़ सकते हैं।

7 अगस्त का ऐतिहासिक महत्व: स्वदेशी आंदोलन और राष्ट्रीय हथकरघ

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने की तारीख 7 अगस्त यूं ही नहीं चुनी गई है। इसका भारतीय इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से बहुत गहरा संबंध है।

1905 का ऐतिहासिक स्वदेशी आंदोलन

7 अगस्त 1905 को कोलकाता के टाउन हॉल में एक विशाल जनसभा के दौरान औपचारिक रूप से स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की गई थी। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना था।

>> स्वदेशी की नींव:इस दिन ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारत ने अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता का शंखनाद किया था।

>> हथकरघा दिवस की शुरुआत:इसी ऐतिहासिक घटना की याद में भारत सरकार ने 2015 में 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

विकसित भारत का लक्ष्य: छोटे बुनकर परिवारों की आर्थिक मजबूती

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तब तक अधूरा है, जब तक

हमारे ग्रामीण और छोटे परिवार आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होते।

बुनकरों की मेहनत को पहचान और बाजार देना आवश्यक

देशभर में लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने घरों में करघों (Looms) पर कपड़े तैयार करते हैं। उनकी दिन-रात की मेहनत से ही भारतीय वस्त्रों को अद्भुत गुणवत्ता और पहचान मिलती है।

>> आर्थिक उन्नति:जब आम नागरिक हैंडलूम प्रॉडक्ट्स खरीदेंगे, तो सीधा लाभ बुनकर परिवारों तक पहुंचेगा।

>> बाजार की सुलभता:डिजिटल मार्केटिंग और लोकल फॉर वोकल अभियानों से इन कारीगरों को बड़ा बाजार मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों और वैश्विक कूटनीति में रुचि रखने वाले पाठकपुतिन की कहानी: एक जासूस जो 2036 तक करेगा राज!पर भी क्लिक करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अभियान से कैसे जुड़ें? सोशल मीडिया पर रील और फोटो शेयर करने

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं और सोशल मीडिया प्रयोगकर्ताओं से इस राष्ट्रव्यापी अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है।

हैंडलूम पहनकर तस्वीरें और वीडियो करें साझा

पीएम मोदी ने लोगों से आग्रह किया कि 7 अगस्त को वे भारतीय हस्तकरघा उत्पाद पहनें, जैसे साड़ी, कुर्ता, गमछा या कोई भी अन्य स्वदेशी परिधान, और उसकी फोटो या रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करें।

>> हैशटैग ट्रेंड्स:अपनी तस्वीरों और रील्स के साथ हैंडलूम से जुड़े हैशटैग्स का उपयोग करें।

>> जागरूकता प्रसार:सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वदेशी सामान खरीदने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

हर नागरिक बने ब्रांड एंबेसडर: फ्रेंडशिप डे की तरह ही हथकरघा

प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुत ही रोचक तुलना करते हुए कहा कि जिस तरह देश के युवा फ्रेंडशिप डे (Friendship Day) को पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाते हैं, ठीक उसी तरह राष्ट्रीय हथकरघा दिवस को भी एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए।

जन-भागीदारी से बनेगा जन-आंदोलन

उन्होंने कहा कि इस अभियान का कोई अलग से ब्रांड एंबेसडर नहीं है, बल्कि भारत का हर नागरिक खुद इसका ब्रांड एंबेसडर बन सकता है। जब लोग खुद स्वदेशी परिधानों का प्रचार करेंगे, तो इसका असर पूरे समाज में दिखेगा।

इसके साथ ही खेल की दुनिया से जुड़ी दिलचस्प खबरों के लिए पढ़ेंविराट के मुरीद हुए जोकोविच: कह दी करोड़ों फैंस का दिल जीतने वाली बात।

आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की भावना: भारतीय हस्तकरघा उत्पादों क

आत्मनिर्भर भारत (Aatmanirbhar Bharat) के सपने को साकार करने के लिए स्वदेशी उत्पादों को दैनिक जीवन में अपनाना बेहद जरूरी है। भारतीय हस्तकरघा उद्योग केवल कपड़ा बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान भी है।

2026 में स्वदेशी उत्पादों की मांग और नवीनतम अपडेट

वर्ष 2026 में भी भारतीय हथकरघा उत्पादों की मांग घरेलू और वैश्विक बाजारों में तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल्स और सरकारी पहलों के जरिए अब बुनकरों से सीधे खरीदारी करना आसान हो गया है।

>> अप्लाई ऑनलाइन (Apply Online):विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत बुनकर प्रोत्साहन राशि और ट्रेनिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

>> स्टेटस चेक (Status Check):पीएम विश्वकर्मा और बुनकर कल्याण योजनाओं की लिस्ट तथा स्टेटस ऑनलाइन पोर्टल पर चेक किया जा सकता है।

>> पीडीएफ गाइडलाइंस (PDF Guidelines):हस्तकरघा विकास बोर्ड द्वारा जारी नई योजनाओं की PDF सूची आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

पीएम मोदी का देशवासियों को अंतिम संदेश: आपका एक छोटा प्रयास

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने देश के प्रत्येक नागरिक को यह विश्वास दिलाया कि उनका एक छोटा सा कदम देश की अर्थव्यवस्था और हस्तकरघा क्षेत्र में एक बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल देने का अवसर

यदि हर परिवार साल में कुछ हथकरघा वस्त्र भी खरीदता है, तो इससे लाखों कारीगरों के घरों में खुशहाली आएगी। यही छोटा प्रयास आगे चलकर विकसित भारत 2026 के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाएगा।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने की अपील केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देश के बुनकरों के प्रति सम्मान और स्वदेशी आंदोलन को पुनर्जीवित करने की एक पहल है। आइए, इस 7 अगस्त को हम सभी भारतीय हस्तकरघा उत्पादों को अपनाएं, सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा करें और इस जन-आंदोलन के सच्चे ब्रांड एंबेसडर बनें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर साल 7 अगस्त को पूरे भारत में उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

इसी दिन 1905 में कोलकाता में स्वदेशी आंदोलन की आधिकारिक शुरुआत हुई थी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी सामानों को बढ़ावा देना था।

पीएम मोदी ने देशवासियों से हथकरघा उत्पाद पहनने, खरीदने और सोशल मीडिया पर अपनी फोटो या रील शेयर कर इसका ब्रांड एंबेसडर बनने की अपील की है।

हैंडलूम उत्पादों की बिक्री बढ़ने से देश के छोटे एवं गरीब बुनकर परिवारों की आय बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

आप वस्त्र मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर बुनकर योजनाओं का स्टेटस चेक कर सकते हैं और लेटेस्ट अपडेट PDF डाउनलोड कर सकते हैं।